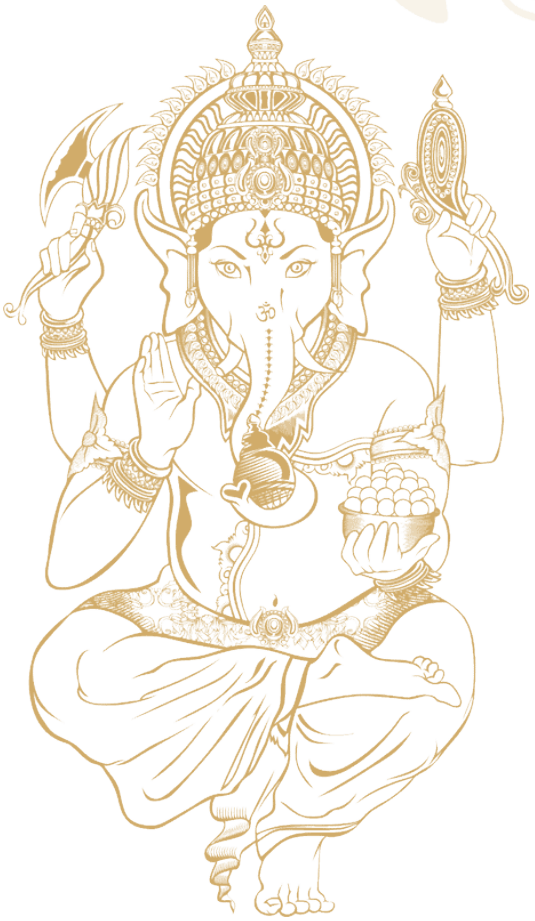

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119554004

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/03/1996	जन्म तिथि	8-09/12/1995
गुरुवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 07:56:00	जन्म समय	02:30:00 घंटे
घटी 04:10:00	जन्म समय(घटी)	48:41:23 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Charkhi Dadri
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:37:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:16:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:24:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:15:59	सूर्योदय	07:05:10
18:36:15	सूर्यास्त	17:28:04
23:48:21	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:07

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 9वर्ष 9मा 1दि	16:28:23	मेष	लग्न	कन्या	22:23:34	राहु 10वर्ष 5मा 7दि
बुध	13:53:35	मीन	सूर्य	वृश्चि	22:29:37	शनि
28/12/2024	25:12:20	मिथु	चंद्र	मिथु	12:16:07	17/05/2022
28/12/2041	08:53:36	मीन	मंगल	धनु	12:30:20	17/05/2041
बुध 27/05/2027	13:40:14	मीन	बुध	धनु	01:08:06	शनि 20/05/2025
केतु 23/05/2028	21:43:27	धनु	गुरु	धनु	00:24:39	बुध 28/01/2028
शुक्र 24/03/2031	29:44:11	मेष	शुक्र	धनु	20:14:32	केतु 08/03/2029
सूर्य 28/01/2032	04:56:36	मीन	शनि	कुंभ	24:27:09	शुक्र 07/05/2032
चन्द्र 29/06/2033	23:23:50	कन्या व	राहु व	तुला	01:26:33	सूर्य 19/04/2033
मंगल 26/06/2034	23:23:50	मीन व	केतु व	मेष	01:26:33	चन्द्र 18/11/2034
राहु 12/01/2037	10:04:03	मक	हर्ष	मक	04:20:15	मंगल 28/12/2035
गुरु 20/04/2039	03:39:40	मक	नेप	मक	00:04:33	राहु 03/11/2038
शनि 28/12/2041	09:10:13	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	07:18:26	गुरु 17/05/2041

लग्न-चलित

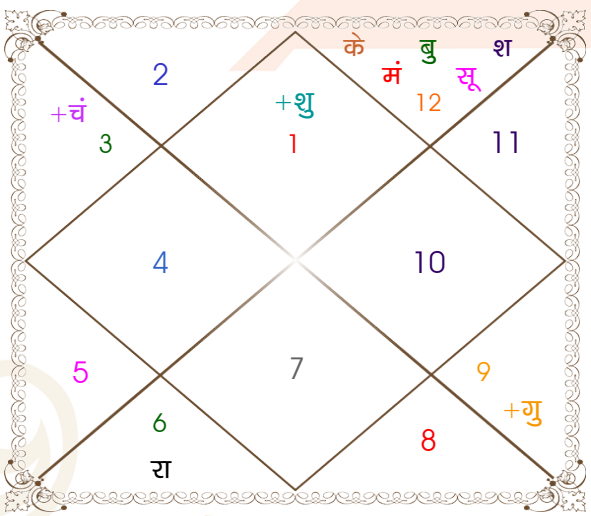

लग्न-चलित

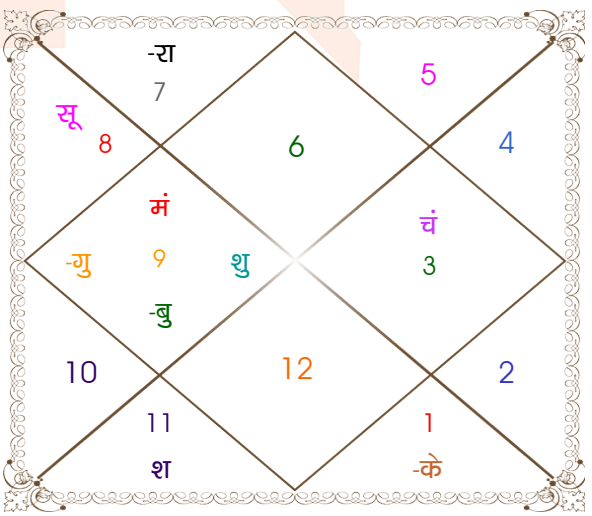

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms. का नक्षत्र आर्द्रा है।

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।